विहार के जागने से पहले

प्रकाशन तिथि: 21 अगस्त 2026

अंश: जब विहार का अधिकांश भाग अपना दिन आरंभ भी नहीं करता, रसोई तब तक काम में लग चुकी होती है। भिक्षुओं के पहुँचने तक सब कुछ लगभग अनायास-सा दिखाई देता है।

Tags: DAILY RHYTHMS MONASTERY

मूल लेख यहाँ पढ़ें: https://dzongplum.netlify.app/hi/jeevant-vihar/dainik-charya/03-before-the-monastery-wakes

जब विहार का अधिकांश भाग अपना दिन आरंभ भी नहीं करता, रसोई में काम तब तक चल पड़ा होता है।

बड़े बर्तन चूल्हों पर चढ़ते हैं, पानी गर्म होता है और पहले भोजन के लिए सामग्री तैयार की जाती है। किसी मठीय समुदाय के

लिए भोजन बनाना घर का नाश्ता तैयार करने से बहुत भिन्न है: चावल, सब्ज़ियाँ, चाय और अन्य सामग्री इतनी मात्रा में तैयार करनी होती है कि अनेक भिक्षुओं के लिए पर्याप्त हो।

<div data-video-embed-target>

रसोई ज़ोंगकर छोएदे के सबसे व्यस्त स्थानों में से एक हो सकती है, किंतु इस काम की अपनी एक परिचित लय भी है। काम बाँट लिए जाते हैं, सब्ज़ियाँ कटती हैं, बर्तन चलाए जाते हैं और भोजन धीरे-धीरे रूप लेता है।

भिक्षुओं के पहुँचने तक सब कुछ लगभग अनायास-सा दिखाई देता है।